राजभाषा संगोष्ठी विशेषांक

अंक : 08

सागर रत्न

हिन्दी गृह पत्रिका

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LTD
(भारत सरकार श्रेणी 1 मिनि रत्न कंपनी)

पी ओ बैग सं. 1653, पेरुमानूर पी.ऑ., कोच्ची - 682015
दूरभाष: 0484 2501200, 2380181, 2361181
फैक्स: 0484 2370897, 2383902
वेब: www.cochinshipyard.com

पोत परिवहन मंत्रालय के राजभाषा हिन्दी के उत्कृष्ठ कार्यान्वयन केलिए राजभाषा शील्ड
माननीय पोत परिवहन मंत्री श्री नितिन गड़करी से स्वीकार करते हुए
श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोच्ची नराकास (उपक्रम) द्वारा प्रदत्त राजभाषा हिन्दी के उत्तम निष्पादन केलिए
राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार (द्वितीय) श्री जी मुरलीधरन, अध्यक्ष से प्राप्त करते हुए
श्री मुकेष शंकर एम एस, प्रबंधक (कार्मिक) और श्री जीवन रवीन्द्रन, उप प्रबंधक (मानव संसाधन)

अंक : 08

सागर रत्न

2015 - 2016

कोचीन शिपयार्ड की हिन्दी गृह पत्रिका

(केवल आंतरिक परिचालन केलिए)

विषय सूची

अध्यक्ष की कलम से 2
कोचीन शिपयार्ड केलिए नया सारथी 3
कार्यभार ग्रहण 4
सीएसएल - को मै. जीटीटी, फ्रान्स से लाइसेंस करार 4
सीएसआर 5
शिपयार्ड केलिए पुरस्कार 10
कोचीन शिपयार्ड लगातार सातवें वर्ष केलिए लाभांश अदा करता है 11
बार्ज के मेगा ब्लॉक का निर्माण 11
"2016 अंतर्राष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू" में कोचीन शिपयार्ड 12
आंडमान व निकोबार प्रशासन केलिए चार यात्री पोतों के निर्माण करने की ठेका 12
नौसेनाध्यक्ष का कोचीन शिपयार्ड दौरा 12
राजभाषा संगोष्ठी 13
हिन्दी दिवस समारोह 18
श्रद्धान्जलि 18
हिन्दी पखवाडा समारोह, 2015 19
कर्मचारियों के बच्चों केलिए नकद पुरस्कार 23
सचिव (राजभाषा), गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राजभाषा निरीक्षण 23
क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन, कोच्ची 23
हिन्दी कार्यशाला 24
गर्मी 25
उच्च उत्पादकता और सतत विकास केलिए व्यवसाय में सुगमता 26
गणतंत्र दिवस समारोह - 27
सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2015 28
एक व्हाट्स अप कहानी 29
उत्पादकता माह समारोह - 2016 30
पापा और बेटी 30
अनुकरणीय निष्पादन केलिए अध्यक्षीय विशेष पुरस्कार 31
देशी वायुयान वाहक में शाफ्टिंग की स्थापना 31
यू.एन. मिशन 32
माँ की ममता 33
स्वतंत्रता दिवस समारोह-2015 34
संसदीय समितियों का दौरा 34
मरम्मत केलिए डीसीआई के साथ समझौता ज्ञापन 34
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह 35
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस - समानता केलिए प्रतिज्ञा 35
संघ की राजभाषा नीति संबंधी प्रमुख बातें 36
फास्ट पतरोल वेसलों की जलावतरण के विविध दृश्य 37
ओणम समारोह 38
कोच्ची निगम केलिए प्रथम दुगुनी अंत रो-रो फेरी 39
कोचीन शिपयार्ड से कमोडोर के सुब्रमण्यम, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की विदाई 40

संपादक मंडल

संरक्षक
श्री मधु एस नायर
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

सलाहकार
श्री सण्णि तोमस
निदेशक
(तकनीकी)

संपादक
श्री एम डी वर्गीस
महा प्रबंधक
(औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन)

संपादक सदस्य
श्रीमती टी पी गिरिजा
प्रबंधक
(राजभाषा)

श्रीमती सरिता जी
हिन्दी अनुवादक

श्री टी टी जॉर्ज
सहायक इंजीनियर (ड्राफ्टिंग)

श्रीमती आतिरा आर एस
हिन्दी टंकक

पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों और मतों से कोचीन शिपयार्ड का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मुद्रण : निसीमा प्रिन्टर्स, कोच्चि-18, फोन: 0484-2550849

अध्यक्ष की कलम से...

कोचीन शिपयार्ड की हिंदी गृह पत्रिका सागर रत्न का आठवां संस्करण प्रकाशित करने में मुझे अत्यंत खुशी है।

दिनांक 01 जनवरी 2016 को सीएसएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के बाद यह पहला अवसर है कि मैं इस माध्यम के ज़रिए सभी को संबोधित कर रहा हूँ।

इस वर्ष के प्रारंभिक महीनों के दौरान कोचीन शिपयार्ड के निष्पादन बहुत अच्छा रहा। इस कलेंडर वर्ष अब तक, हमने भारतीय तटरक्षक को दो फास्ट पतरोल वेसल सुपुर्द किया जाएगा। हम देशी वायुयान वाहक समय पर सुपुर्द करने केलिए प्रतिबद्ध हैं। हम एनपीसीसी बार्ज पर अच्छी तरह से प्रगति पा रहे हैं। पोत मरम्मत के क्षेत्र में हमने वर्ष 2015-16 केलिए एक रिकोर्ड कारोबार दर्ज करते हुए उत्कृष्ठ निष्पादन हासिल किया है।

इसी अवधि के दौरान, हमने आंडमान व निकोबार द्वीप समूह प्रशासन केलिए चार यात्री पोत निर्मित करने की ठेका प्राप्त की है। हम भारतीय गैस प्राधिकारण केलिए हाई एन्ड एलएनजी कैरियर वेसलों के निर्माण और बडे पोतों के निर्माण में सहायता करने हेतु एक नई सूखी गोदी के निर्माण केलिए भी हमारे प्रयासों से आगे बढ़ रहे हैं। नई सूखी गोदी की समाप्ति और कोचीन पोर्ट ट्रस्ट क्षेत्र के आईएसआर सुविधा, सीएसएल में दोनों, पोत निर्माण और पोत मरम्मत में बडी क्षमता वृद्धि में परिणत होगी।

इस आकर्षक संस्करण को लाने केलिए "सागर रत्न" टीम को बधाई देने केलिए भी मैं यह अवसर लेता हूँ। हमारे व्यापार कार्यों में हिंदी के प्रयोग के प्रचार की आवश्यकता पर बल देने केलिए भी मैं यह अवसर लेता हूँ।

मधु एस. नायर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोचीन शिपयार्ड केलिए नया सारथी

श्री मधु एस नायर

श्री मधु एस नायर ने दिनांक 01 जनवरी 2016 को कोचीन शिपयार्ड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने कमोडोर (सेवानिवृत्त) के सुब्रमण्यम से नया कार्यभार स्वीकार किया।

उनका जन्म दिनांक 05 जनवरी 1966 को गुरुवायूर, केरल में हुआ था। उन्होंने विज्ञान व प्रौद्योगिकी कोचीन विश्वविद्यालय, कोच्ची से प्रौद्योगिकी स्नातक (नौसेना वास्तुविद् और पोत निर्माण) प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया और इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर (नौसेना वास्तुविद् और समुद्री इंजीनियरिंग) ओसाका विश्वविद्यालय, जापान में किया था।

श्री मधु एस नायर, कुरे, जापान के आईएचआई शिपयार्ड से पोत निर्माण प्रणालियों में प्रशिक्षित है और ऑवरसीस व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, टॉकियो और ओसाका इंटरनेशनल सेंटर, ओसाका, जापान में जीआईसीए विशेषीकृत प्रशिक्षण किया है तथा ओसाका विश्वविद्यालय, जापान में इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर के दौरान, उन्होंने जॉइनिंग एंड वेल्डिंग अनुसंधान संस्थान में अनुसंधान भी किया था।

वे जून 1988 में एक कार्यपालक प्रशिक्षार्थी के रूप में कोचीन शिपयार्ड में शामिल हुए। उनको कोचीन शिपयार्ड लिमिडेट में 27 वर्षों का पेशेवर अनुभव है। वे एलएनजी कैरियर निर्माण और ड्रेडजरों का विकास, रासायनिक टैंकर और यात्री पोत साझेदारी सुविन्यस्त करने में यार्ड के प्रयासों के मार्गदर्शक थे। जब वे विपणन विभाग के मुख्य के रूप में कार्यरत थे, तब अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी साझेदारों के साथ नाता जोडने और ठेके पाने में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाया।

श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की सुपत्नी श्रीमती रमीता के, जो कंप्यूटर विज्ञान में एम टेक है, डीआरडीओ, एनपीओएल, कोच्ची में वैज्ञानिक 'एफ' के रूप में कार्यरत है और सुपुत्री पार्वती मधु, आईआईटी, चेन्नई में द्वितीय वर्ष की छात्रा है और सुपुत्र कृष्णन मधु, भवन्स वरुण विद्यालय, कोच्ची में तृतीय कक्ष के छात्र है।

●

कार्यभार ग्रहण

श्री सुरेष बाबु एन. वी. ने दि. 26 अप्रैल 2016 को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के निदेशक (प्रचालन) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वे पोत निर्माण, डिज़ाइन, पोत मरम्मत, सामग्री और परियोजना विभाग जैसे शिपयार्ड के प्रचालन के विविध क्षेत्रों में सेवा किया है। भारत सरकार द्वारा इस नियुक्ति के पूर्व, श्री सुरेष बाबु, पोत मरम्मत विभाग के शीर्षस्थ थे। वे अपने समर्पित और प्रतिबद्ध सेवा के ज़रिए कोचीन शिपयार्ड के उच्च प्रबंधन स्तर तक पहूँच गया है।

सीएसएल - भारत के प्रथम शिपयार्ड जिन्हें मै. जीटीटी, फ्रान्स से कंटैनमेंट प्रौद्योगिकी केलिए लाइसेंस करार प्राप्त हुआ

दिनांक 21 दिसंबर, 2015 को नई दिल्ली में संघ के माननीय सडक परिवहन, राजमार्ग और पोत परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में श्री फिलिपि बेरटेरोटियर, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जीटीटी, फ्रांस द्वारा एलएनजी पोत बनाने केलिए लाइसेंस करार कमोडोर के सुब्रमण्यम, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, कोच्ची को प्रदान करता है। माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री श्री धमेन्द्र प्रधान भी उपस्थित थे।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

वर्ष 2015-16 के दौरान सीएसएल में सीएसआर नीति और योजना के अधिक ध्यान केंद्रित और सुव्यवस्थित कार्यान्वयन के कारण सीएसआर पहलुओं को अधिक प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है। सीएसएल द्वारा मंजूर किए 18 मुख्य परियोजनाओं (प्रति परियोजना केलिए 10 लाख रुपए से ज्यादा परियोजना लागत) और 25 गैर परियोजनाओं केलिए अनुमानित कुल लागत 936 लाख रुपए है। ये परियोजनाएं कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची viii में दर्शाए सीएसआर हस्तक्षेपों के सामान्य क्षेत्रों को शामिल किए केरल के हर कोने में फैला हुआ है। फिर भी, आर्थिक रूप से गरीब लोगों और विभिन्न रूप से अशक्त व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों आदि सहित समाज के शोषित वर्गों केलिए स्वास्थ्य, शिक्षा, क्षमता निर्माण, स्वच्छता, पेय जल आदि सीएसएल सीएसआर के मुख्य ध्यान केंद्रित क्षेत्र हैं।

सीएसएल ने एक प्रभावी सीएसआर नीति और योजना कार्यान्वयन मशीनरी पेश किया है। सीएसआर कार्यान्वयन मशीनरी में तीन स्तरीय प्रणाली शामिल हैंः स्तरीय । सीएसएल बोर्ड, स्तरीय ॥ सीएसएल बोर्ड स्तर सीएसआर समिति और स्तरीय ॥। सीएसएल सीएसआर कार्यकारी समिति जिसमें विभिन्न क्षेत्र के 6 कार्यात्मक वरिष्ठ स्तर के कार्यपालक शामिल है। सीएसएल को गैर सरकारी संगठनों, सरकारी अभिकरणों, जिला प्रशासन, सहकारी संस्थाओं, स्थानीय निकायों आदि जैसे विविध अभिकरणों से सीएसआर सहायता केलिए प्रस्ताव और आवेदन मिलते हैं। प्राप्त सभी प्रस्तावों को सीएसआर बोर्ड स्तर के समिति के सामने प्रस्तुत किया जाता है।

वर्ष के दौरान सीएसएल की पूरी की गई/प्रगतिशील सभी सीएसआर परियोजनाओं, मुख्य और अमुख्य दोनों, के विवरण नीचे दिया जाता हैः-

1. *आम्बल्लूर पंचायत, अरयनकावु में एल पी स्कूल भवन के री - रूफिंग और नवीकरण।*
2. *एर्णाकुलम जिले के आम्बल्लूर पंचायत, अरयनकावु के एल पी स्कूल में नए शौचालय ब्लॉक का निर्माण।*
3. *एर्णाकुलम जिले के आरवीयूएचएस चेराई, जीजीएचएसएस मट्टानच्चेरी, जीएचएसएस कडमकुडी, जीएचएस कुन्नुमपुरम, उत्तर इडप्पली और जीवीएचएसएस जारक्कल में नए शौचालय ब्लॉकों का निर्माण।*
4. *एर्णाकुलम जिले के सीजीएचएसएस मट्टानच्चेरी (नवीकरण), सेंट जोखिम्स एचएस कलूर, सरकारी यूपीएस वाषकुलम में नए शौचालय ब्लॉक का निर्माण।*
5. *भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छ विद्यालय कार्यक्रम के भाग के रूप में सरकारी उच्च माध्यमिक स्कूल, एलमक्करा में शौचालय निर्माण।*
6. *एर्णाकुलम जिला पंचायत के सहयोग से आजीविका बढाने केलिए 25 शारीरिक रूप से अशक्त व्यक्तियों केलिए मोटर चालित त्री वीलर दिया गया।*
7. *'कुशल भारत मिशन' के अधीन 50 बेरोज़गार बीपीएल/अधिकारहीन युवाओं केलिए वेल्डिंग प्रौद्योगिकी में कुशल विकास, 'राष्ट्र निर्माण केलिए वेल्डिंग'।*
8. *एर्णाकुलम, जनरल अस्पताल में नवीनतम रेडियो थेरपी उपकरण "लिनियर पार्टिकल ऐक्सेलरेटर" की खरीद और स्थापना केलिए वित्तीय सहायता।*

9. ज्योति व्यापक शिक्षा कार्यक्रम (जेसीईपी) - स्मार्ट क्लासरूम प्रोजेक्ट।
10. रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम केलिए अल्ट्रासाउन्ड स्कानैर और कंप्यूटड एक्सरे रेडियोग्राफी उपकरण प्रदान करने और औषधालय भवन का लघु नवीकरण केलिए वित्तीय सहायता।
11. तृश्शूर जिले में जिला अस्पताल, वडकांचेरी में सार्वजनिक प्रयोगशाला और मां और बच्चे ओबी/जीवाईएन ऑपरेशन थियेटर के बुनियादी सुविधाओं को सुधारने केलिए सहायता।
12. मछुवारों के बच्चों केलिए तटीय क्षेत्रों में शिक्षा केंद्रों को बढावा देने के उद्देश्य से "प्रतिभा तीरम" नामक एक कार्यक्रम केलिए सहायता।
13. भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के अधीन कण्णूर जिले के 15 स्कूलों में परंपरागत रीति का शौचालय केलिए वित्तीय सहायता।
14. भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के अधीन एर्णाकुलम जिले कडमक्कुडी पंचायत के चिरयनत्तुरुत द्वीप गांव में 50 घरों केलिए शौचालय का निर्माण।
15. कुसाट के पोत प्रौद्योगिकी विभाग में शिप मॉडल बनाने केलिए एक आधुनिक व्यवस्था बनाने हेतु वित्तीय सहायता।
16. चोट्टानिक्करा ग्राम पंचायत, अम्बाडीमला सेटिलमेंट कॉलनी में पेय जल आपूर्ति योजना केलिए वित्तीय सहायता।
17. अट्टप्पाडी के स्वामी विवेकानंद मेडिकल मिशन में ऑपरेशन थियेटर और माँ-बच्चे वार्ड के निर्माण केलिए वित्तीय सहायता।
18. मेरा शहर सुंदर शहर - तिरुवनंतपुरम नगर में स्रोत जैवनिम्नीकरण अपशिष्ट प्रबंधन के पुनर्जीवन और विकेन्द्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के एक हरित उद्यम स्थापित करना।
19. तोडुपुषा कुन्डयात्तूर के लूईस ब्रेली मेमोरियल मोडल स्कूल में स्कूल बस खरीदने केलिए वित्तीय सहायता।
20. "तंबाकू बकट्ट की और चुनौती" - विश्व तम्बाकू निषेध दिवस गतिविधि के लिए वित्तीय सहायता।
21. सौखियम 2015 - सूपर स्पेश्यालिटी मेडिकल कैंप।
22. एर्णाकुलम, मनीड ग्राम पंचायत में पालियेटिव केयर यूनिट, पीएचसी, को आम्बुलन्स खरीदने केलिए वित्तीय सहायता।
23. मेडी-प्रेस 2015 - एक सूपर स्पेश्यालिटी मेडिकल कैंप केलिए वित्तीय सहायता।
24. वाष़क्कुलम के दर्द और पालियेटीव केयर सोसाइटी के होम केयर यूनिट केलिए वाहन खरीदने केलिए वित्तीय सहायता।
25. "नल्ला एन्ट नाडु, नल्ला नम्मुडे नाडु"- स्वच्छ रहने के कार्यों संबंधी जागरूकता सृजित करने केलिए एक प्रतियोगिता - हेतु शुचित्व बोधना यज्ञम केलिए वित्तीय सहायता।
26. राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिभा खोज प्रतियोगिता - 2015 केलिए वित्तीय सहायता।
27. कलमश्शेरी, एच एम टी कॉलनी के सरकारी एल पी स्कूल में कंप्यूटर प्रदान करने केलिए सहायता।
28. कलमश्शेरी विधानसभा क्षेत्र में सरकार/ सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में सबसे अच्छा प्रदर्शन दिखाए छात्रों को पुरस्कृत करने केलिए "उणर्व" शैक्षिक कार्यक्रम को वित्तीय सहायता।
29. 57वाँ विश्व अशक्तता दिवस समारोह के लिए सहायता।
30. गरीब अजा/ अजजा बच्चों केलिए पाठ्य सामग्री प्रदान करने केलिए वित्तीय सहायता।
31. विद्यापोषणम - पोषकसमृद्धम परियोजना (विद्यार्थियों केलिए दोपहर का भोजन)। केलिए सहायता।
32. एर्णाकुलम जिले में बीपीएल परिवारों के टाइप 1 डायबेटिक बच्चों केलिए निःशुल्क दवाईयों (इन्सुलिन) का वितरण।

33. *काक्कनाड़, चेम्बुमुक्कु के स्नेहनिल्यम विशेष स्कूल में छात्रों के लिए खेल क्षेत्र के निर्माण और विभिन्न खेल उपकरणों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता।*
34. *श्री चेरुपुष्पम विलासम मलयरया करयोगम, पुन्जवयल, कोट्टयम में आम्बुलन्स खरीदने केलिए वित्तीय सहायता।*
35. *श्री शुचीन्द्र मेडिकल मिशन, एर्णाकुलम में एक आम्बुलन्स खरीदने केलिए वित्तीय सहायता।*
36. *एसओएस चिल्ड्रन्स विल्लेज, आलुवा के कम विशेषाधिकार बच्चों केलिए स्कूल यूनिफॉर्म प्रदान करने और ऑणम दावत आयोजित करने केलिए वित्तीय सहायता।*
37. *24वाँ अखिल केरल बालोत्सव केलिए वित्तीय सहायता।*
38. *कोच्ची में जनवरी 2015 को नेत्रहीन लोगों केलिए पहला टी - 20 एशिया कप क्रिकेट केलिए वित्तीय सहायता।*
39. *जिला प्रशासन, एर्णाकुलम द्वारा आयोजित "विशेष अशक्तता कैंप - ज्योति" केलिए वित्तीय सहायता।*
40. *श्री रामकृष्ण आश्रम चारिटबल अस्पताल, तिरुवनंतपुरम केलिए अतिरिक्त तल (ओ पी डी ब्लॉक) केलिए सहायता।*
41. *हॉली क्रोस होसपैस, पेरुम्पडप्पु, कोच्ची केलिए बेड कम पैक्स एलीवेटर केलिए सहायता।*
42. *स्पोर्ट्स और आर्ट्स क्लब, गोतुरुत केलिए मुसिरिज़ मेरिटाइम आर्ट सेंटर ("चविट्टुनाडकम" केलिए स्थायी स्टेज) का निर्माण।*

कोचीन शिपयार्ड केलिए प्रतिष्ठित सीएसआर पुरस्कार

◆ तिरुवनंतपुरम मैनेजमैंट असोसिएशन पुरस्कार

तिरुवनंतपुरम मैनेजमैंट असोसिएशन ने सीएसआर संबंधी प्रबंधन कार्यों में उत्कृष्ट निष्पादन हेतु प्रतिष्ठित **टीएमए-एचएलएल सीएसआर पुरस्कार-2015** केलिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को चयनित किया है। दिनांक 09-12-2015 को तिरुवनंतपुरम मैनेजमैंट असोसिएशन के वार्षिक प्रबंधन सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में केरल सरकार के योजना बोर्ड की उपाध्यक्षा द्वारा पुरस्कार प्रदान किया। सीएसएल के निदेशक (वित्त) और महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध और प्रशासन) ने संयुक्त रूप से पुरस्कार स्वीकार किया।

◆ इंडिया टुडे ग्रूप द्वारा उत्कृष्ट सार्वजनिक उपक्रम पुरस्कार

दिनांक 14 दिसंबर 2015 को मिनिरत्न विभाग में सीएसआर और धारणीयता केलिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को उत्कृष्ट सार्वजनिक उपक्रम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छ विद्यालय' के भाग के रूप में कोचीन शिपयार्ड द्वारा विविध स्कूलों में निर्मित शौचालय

जी.एच.एस.एस. कडमक्कुडी

जी.एच.एस.एस. कुन्नुम्पुरम (लड़कों केलिए)

जी.एच.एस.एस. कुन्नुम्पुरम (लड़कियों केलिए)

जी.एच.एस.एस. मट्टानचेरी (लड़कों केलिए)

जी.एच.एस.एस. मट्टानचेरी (लड़कियों केलिए)

जी.एच.एस.एस. ञारक्कल

जी.एल.पी.एस. वाळक्कुलम

एल.पी.एस. अरयनकावु

आर.वी.यू.एच.एस. चेराई

सेंट. ज्वाक्किम एच.एस. कलूर

नौवहन शब्दावली

1. Harbour	-	बंदरगाह
2. Head Sea	-	सम्मुख लहर
3. Idle time	-	निष्कार्य समय
4. Import cargo	-	आयातित माल
5. Inland waterways	-	अन्तर्देशीय जलमार्ग
6. Jury Rigging	-	आपाती रस्सियाँ
7. Keel laying	-	कील लगाना
8. Laid up	-	बेकार
9. Lucid	-	शांत/स्वच्छ
10. Life boat	-	रक्षा नौका
11. Maritime shipping	-	समुद्री परिवहन
12. Mooring	-	नौबंध, लंगर स्थल
13. Navigation	-	नौचालन
14. Offshore	-	अपतट
15. Optic	-	प्रकाशीय
16. Overseas	-	समुद्रपार, विदेशी
17. Perils of the sea	-	समुद्री जोखिम
18. Port Clearance	-	पत्तन अनुमति
19. Quest	-	तलाश
20. Sailing	-	नौचालन
21 Shrinkage	-	मूल्यह्रास
22. Unberthing	-	घाट से हटाना
23. Underneath	-	निचला भाग
24. Weigh	-	लंगर, उठाना, तौलना
25. Zonal time	-	आंचलिक समय

भिन्न अर्थवाले मलयालम - हिन्दी शब्द

ചന്ത	-	*Market*	चंदा	-	*Donation*
കലം	-	*Pot*	कलम	-	*Pen*
ചോറ്	-	*Rice*	चोर	-	*thief*
അനുമോദനം	-	*appreciation*	अनुमोदन	-	*approval*
ചരിത്രം	-	*History*	चरित्र	-	*Character*
ഇതിഹാസം	-	*Epic*	इतिहास	-	*History*
ക്ഷേത്രം	-	*Temple*	क्षेत्र	-	*Region*
രാജ്യം	-	*Country*	राज्य	-	*State*
ശിക്ഷ	-	*Punishment*	शिक्षा	-	*Education*
പത്രം	-	*Newspaper*	पत्र	-	*letter*
വിജ്ഞാനം	-	*Knowledge*	विज्ञान	-	*Science*
കല്യാണം	-	*Marriage*	कल्याण	-	*Welfare*
സമ്മാനം	-	*gift*	सम्मान	-	*Respect*
ശ്രമം	-	*effort*	श्रम	-	*labour*
ഘടന	-	*Structure*	घटना	-	*Incident*
അപേക്ഷ	-	*Request*	अपेक्षा	-	*Requirement*
അനുമാനം	-	*guess*	अनुमान	-	*Estimate*
ഉദ്യോഗം	-	*Employment*	उद्योग	-	*Industry*
പുഷ്ടി	-	*Nourishment*	पुष्टि	-	*confirmation*
പുല്ല്	-	*Grass*	पुल	-	*Bridge*
പ്രതി	-	*accused*	प्रति	-	*copy/each*
വിത്ത്	-	*Seed*	वित्त	-	*finance*
ധർമ്മം	-	*duty*	धर्म	-	*Religion*
സംഭാവന	-	*donation*	संभावना	-	*possibility*
സങ്കൽപ്പം	-	*Imagination*	संकल्प	-	*Resolution*

शिपयार्ड केलिए पुरस्कार

प्रबंधन प्रणाली प्रमाणपत्र

सीएसएल को डिज़ाइन, पोतों के विकास एवं निर्माण, पोतों की मरम्मत, अनुरक्षण और पूरी जांच तथा अपतटीय संरचनाओं केलिए प्रबंधन प्रणाली प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। मेटी के समुद्री इंजीनियरों का प्रशिक्षण और अग्निशमन का आयोजन तथा प्राथमिक चिकित्सा पाठ्यक्रमों को प्रमाणित किया है। डीएनवी-जीएल द्वारा प्रमाणीकरण सीएसएल जैसे एक शिपायार्ड केलिए वैश्विक प्रासंगिकता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचाना जा रहा है।

चालू वर्ष के पोत निर्माण कंपनी

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को "मारीटाइम गेटवे" भारत के प्रमुख पत्रिका जो पत्तन नौवहन लॉजिस्टिक्स केलिए समर्पित है, द्वारा स्थापित "वर्ष के पोत निर्माण कंपनी" पुरस्कार से सम्मानित किया। दि 21 अगस्त 2015 को मुबई में आयोजित समारोह में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमोडोर के सुब्रमण्यम ने पूर्व नौवहन

सचिव, भारत सरकार श्री के मोहनदास से पुरस्कार स्वीकार किया। गेट्वे पुरस्कारों को भारत के समुद्री क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों के रूप में माना जाता है। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को वर्ष 2015 केलिए उत्कृष्ठता केलिए प्रतिष्ठित मद्रास प्रबंधन संघ पुरस्कार से भी सम्मानित किया।

उत्कृष्ट ऊर्जा प्रबंधन कार्यों केलिए पुरस्कार

कोचीन शिपयार्ड को लगातार दूसरे वर्ष केलिए उत्कृष्ट ऊर्जा प्रबंधन कार्यों केलिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार ऊर्जा प्रबंधक कक्ष द्वारा स्थापित किया था और दिनांक 14 दिसंबर, 2015 को तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक समारोह में श्री आर्यादन मुहम्मद, माननीय बिजली मंत्री, केरल सरकार द्वारा दिया गया। श्री ए एन नीलकंठन, महा प्रबंधक (तक), कोचीन शिपयार्ड ने पुरस्कार स्वीकार किया।

सुरक्षा पुरस्कार

सबसे बडे इंजीनियरिंग उद्योग विभाग के बीच औद्योगिक सुरक्षा में उत्कृष्ट निष्पादन केलिए केरल सरकार द्वारा स्थापित उत्कृष्ट सुरक्षा निष्पादन पुरस्कार कोचीन शिपयार्ड को प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार सबसे बडे इंजीनियरिंग विभागों के बीच दिया जाता है। दिनांक 04 मार्च 2016 को आयोजित समारोह में केरल सरकार के माननीय पत्तन और उत्पाद शुल्क मंत्री श्री के बाबु से श्री एम मुरुगय्या, महा प्रबंधक (तक) और दखलकार, श्री के एन श्रीजित, महा प्रबंधक (आईएसी) और कारखाना प्रबंधक ने पुरस्कार स्वीकार किया। कोचीन शिपयार्ड ने, इंजीनियरिंग उद्योग की श्रेणी में औद्योगिक सुरक्षा में अपने अनुकरणीय निष्पादन केलिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा स्थापित पुरस्कार भी जीत ली।

कोचीन शिपयार्ड लगातार सातवें वर्ष केलिए लाभांश अदा करता है

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने दिनांक 29 सितंबर 2015 को भारत सरकार को 16.99 करोड रुपए के लाभांश अदा किया। प्रत्येक 10 रुपए के 11,3280,000 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयरों पर प्रति इक्विटी शेयर 1.5 रुपए का लाभांश। कोचीन शिपयार्ड लगातार सातवें वर्ष केलिए भारत सरकार को लाभांश अदा कर रहा है। लाभांश का चेक कमोडोर के सुब्रमण्यम, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा श्री नितिन गडकरी, भारत सरकार के पोत परिवहन संघ मंत्री को सौंप दिया। इस अवसर पर श्री राजीव कुमार, आईएएस, सचिव (पोत परिवहन) और मंत्रालय तथा सीएसएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियाँ भी उपस्थित थे।

दुनिया में अब तक निर्मित इस तरह के सबसे बडे बार्जों में से एक के मेगा ब्लॉक के निर्माण का प्रारंभ

राष्ट्रीय पेट्रोलियम निर्माण कंपनी (एनपीसीसी), अबुदाबी केलिए डेक कार्गो/लांच बार्ज के मेगा ब्लॉक के निर्माण दिनांक 12 जनवरी 2016 को शुरू हुआ। श्री पॉल आंटणी, आईएएस, अध्यक्ष, कोचीन पोर्ट ट्रस्ट समारोह के मुख्य अतिथि थे। श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री पॉल रंजन डी, निदेशक (वित्त), श्री सण्णि तॉमस, निदेशक (तकनीकी), सीएसएल

और श्री के एम ज़करिया, परियोजना प्रबंधक, एनपीसीसी भी समारोह में उपस्थित थे। यह सीएसएल को प्राप्त 45 वां निर्यात आदेश है। यह आदेश, अत्यंत प्रतिस्पर्धी मूल्य और समय सीमा के तहत अंतर्राष्ट्रीय निविदा के सामने जनवरी 2015 में प्राप्त किया था। यह सीएसएल द्वारा एनपीसीसी केलिए निर्मित दूसरा लांच बार्ज है। यह बार्ज 15000 टी जैकटों के लॉड आउट, परिवहन और जलावतरण तथा 30000 टी टॉपसाइड केलिए अपतटीय उद्योग केलिए उपयोग किया जाएगा तथा यह प्रचालन के दौरान प्रति घंटे 26000 सीयू.एम तक बलास्ट अपेक्षाओं को संभालने केलिए समुद्री जल पंपों से सुसज्जित है। बार्ज पूर्ण रूप से सीएसएल में डिज़ाइन किया है।

"2016 अंतर्राष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू" में कोचीन शिपयार्ड

विशाखपट्टनम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू में दुनिया भर के 52 देशों से 100 से अधिक नौसेना पोत भाग लिया। भारत, यूएस, रूस, चीन, जापान, ऑस्ट्रेलियन और साउथ कोरियन से युद्धपोत और नाविकों ने भाग लिया। सीएसएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मधु एस नायर इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के अतिथि थे। इस कार्यक्रम के सिलसिले में आयोजित प्रदर्शनी में सीएसएल ने अपने उत्पादों और प्रोफाइल प्रदर्शित करते हुए एक स्टॉल स्थापित किया था। भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी और नौसेनाध्यक्ष एडि्मरल आर के धवान आदि इस अवसर पर उपस्थित थे। इंडिया नेवल फ्लीट रिव्यू, प्रत्येक राष्ट्रपति के कार्यकाल में एक बार घटित होगी। इस वर्ष के रिव्यू अंक समग्र रूप से 11 है।

कोचीन शिपयार्ड ने आंडमान व निकोबार प्रशासन केलिए चार यात्री पोतों के निर्माण करने की ठेका हासिल किया

कोचीन शिपयार्ड ने आंडमान व निकोबार प्रशासन केलिए दो - 1200 यात्री व 1000 एमटी माल पोतों और दो 500 यात्री व 150 एम टी माल पोतों को निर्मित करने के लिए ठेके में हस्ताक्षर किया। दिनांक 21 मार्च 2016 को पोर्ट ब्लेयर में आयोजित एक समारोह में श्री तेवा नीति दास, सचिव (पोत परिवहन), आंडमान व निकोबार प्रशासन और श्री सण्णि तॉमस, निदेशक (तकनीकी) के बीच ठेके का हस्ताक्षर किया। इन बडे पोतों के निर्माण से द्वीपसमूह के परिवहन संबंधी समस्याएं कम हो जायेंगे। इन बडे यात्री पोतों का निर्माण सीएसएल केलिए एक गर्व की बात है इसलिए कि अन्य कोई भारतीय यार्ड ने अभी तक इस तरह के प्रयास नहीं किया है। यह भारत सरकार के "मेक इन इंडिया" पहल के अन्य एक बेहतरीन उदाहरण है।

नौसेनाध्यक्ष का कोचीन शिपयार्ड दौरा

एडि्मरल आर के धवान, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, नौसेनाध्यक्ष, भारतीय नौसेना ने दिनांक 16 जनवरी 2016 को कोचीन शिपयार्ड का दौरा किया। नौसेनाध्यक्ष ने वायुयान वाहक की भौतिक प्रगति की समीक्षा की और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सीएसएल और भारतीय नौसेना तथा सीएसएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ऑन-बोर्ड पर बैठक आयोजित की।

मेरे पास एक लैपटॉप नही है, टैबलट भी नहीं है, और क्या बोलूँ एक स्मार्टफोन भी नहीं है।
फिर भी मुझे इसमें कोई दुःख नहीं है क्योंकि मेरे गांव में हज़ारों पुस्तकों वाला एक पुस्तकालय है।

यूसफ ए.के.
सीएसआर कार्यक्रम अधिकारी

राजभाषा संगोष्ठी

भारत सरकार की राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित करने और राजभाषा हिन्दी के प्रति सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों में जागरूकता उत्पन्न करने तथा राजभाषा के प्रति उनकी मानसिकता को सकारात्मक दिशा में अनुकूल करने के उद्देश्य से कोचीन शिपयार्ड के तत्वावधान में दिनांक 23 फरवरी 2016 को मेर्सी होटल में **"केन्द्र सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी का प्रभावी कार्यान्वयन"** और **"यूनिकोड के ज़रिए राजभाषा हिन्दी का विकास"** विषय पर एक-दिवसीय राजभाषा संगोष्ठी आयोजित की गई। यह संगोष्ठी मुख्य रूप से कोच्ची टॉलिक, पीएसयू के अधीन आनेवाले सदस्य संगठनों के गैर-हिन्दी कर्मचारियों केलिए आयोजित की गई थी।

श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने राजभाषा संगोष्ठी की अध्यक्षता की। डॉ सुनिता देवी यादव, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। श्री डी पॉल रंजन, निदेशक (वित्त), श्री सण्णि तॉमस, निदेशक (तकनीकी), श्री एम डी वर्गीस, महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन), श्रीमती एम सी शीला, सहायक निदेशक (राजभाषा) और सचिव, कोच्ची टॉलिक, बीएसएनएल आदि इस अवसर पर उपस्थित थे। संगोष्ठी में कोच्ची टॉलिक पीएसयू के सदस्य संगठनों के गैर-हिन्दी अधिकारियों व कर्मचारियों तथा हिन्दी कर्मचारियों ने संगोष्ठी में भाग लिया।

कुमारी सुमी एस, कार्यपालक प्रशिक्षार्थी की प्रार्थना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। श्री एम डी वर्गीस, महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन) ने मंच पर उपस्थित सभी विशिष्ट अधिकारियों और सभी उपस्थितियों का हार्दिक रूप से स्वागत किया। बाद में माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मधु एस नायर ने दीप प्रज्वलित करके औपचारिक रूप से संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में ऐसी एक राजभाषा संगोष्ठी चलाने केलिए कोचीन शिपयार्ड के हिन्दी कर्मचारियों को बधाई दी।

उन्होंने राजभाषा हिन्दी के महत्व के बारे में बताया और हिन्दी भाषा जानने और बोलने की आवश्यकता पर ज्यादा ज़ोर दिया। हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु एक साथ काम करने केलिए सभी से अनुरोध किया। आगे, डॉ सुनिता देवी यादव, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची द्वारा मुख्य अतिथि का संबोधन दिया। उन्होंने सबसे पहले संगोष्ठी चलाने केलिए कोचीन शिपयार्ड की सराहना की और मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने केलिए धन्यवाद अदा किया। उन्होंने भारत सरकार की नीति के अनुपालन में इस तरह की राजभाषा संगोष्ठियों चलाने की आवश्यकता के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने गैर-हिन्दी कर्मचारियों से इस संगोष्ठी से अधिकतम लाभ उठाने केलिए प्रेरित किया और भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने केलिए हिन्दी में अधिकतम काम करने हेतु अनुरोध भी किया। आगे, श्री सण्णि टॉमस, निदेशक (तकनीकी) ने आशीर्वचन दिया। उन्होंने इस संगोष्ठी के आयोजन हेतु हिन्दी अनुभाग को शुभकामनाएं दी। आगे भी इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करने केलिए हिन्दी टीम को प्रेरणा दी। श्रीमती गिरिजा टी.पी., प्रबंधक (राजभाषा) के कृतज्ञता ज्ञापन के साथ राजभाषा संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का समापन हुआ।

श्री देवराज पणिक्कर, प्रबंधक (हिन्दी) - सेवानिवृत्त, भारतीय खाद्य निगम, कोच्ची ने "केन्द्र सरकारी कार्यलयों में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी कार्यान्वयन" विषय पर प्रथम सत्र का संचालन किया। उन्होंने राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन में गैर-हिन्दी कर्मचारियों की भूमिका के बारे में भागीदारों को अवगत कराया। उन्होंने बडी सहज और स्वाभाविक तरीके से कक्षा चलायी। राजभाषा के रूप में हिन्दी की स्वीकृति के बारे में विस्तार से उन्होंने बताया। एक सरकारी कार्यालय में राजभाषा हिन्दी के महत्व, इसके प्रयोग आदि के बारे में संक्षिप्त जानकारी भागीदारों को दी। उन्होंने राजभाषा हिन्दी से संबंधित विविध नियम, अधिनियम, वार्षिक कार्यक्रम, नकद पुरस्कार, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां आदि पर प्रकाश डाला। इस सत्र में श्रीमती पापिया चाटर्जी, एनआईसी, श्री नरेश कुमार, ऑरियन्टल इन्शुरेन्स, श्री कृष्णनकुट्टी, एचपीसीएल, श्रीमती विजयलक्ष्मी, एचआईएल, श्रीमती शारिका शशिधरन, सीएसएल, श्री अरुण, सीएसएल आदि ने भी उक्त विषय पर अपना-अपना मत व्यक्त किया।

श्रीमती एम सी शीला, सहायक निदेशक (राजभाषा) और सचिव, कोच्ची टॉलिक ने "केन्द्र सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी कार्यान्वयन" विषय पर द्वितीय सत्र का संचालन किया। उन्होंने मुख्य रूप से राजभाषा हिन्दी से जुडी विविध समितियां और समितियों की विभिन्न गतिविधियों के संबंध में स्पष्ट किया। हिन्दी प्रशिक्षण, कार्यालयों में हरेक काम केलिए रखे जानेवाले विविध जांच बिन्दु, निरीक्षण प्रश्नावली, हिन्दी पत्राचार के लक्ष्य प्राप्त करना आदि जैसी बातों पर उन्होंने प्रकाश डाला। कार्यालय में उपलब्ध सभी प्रपत्रों का द्विभाषीकरण, हिन्दी पुस्तकों की खरीदी आदि विषयों पर भागीदारों को जानकारी प्रदान की। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों और उसके कर्तव्यों के बारे में भी भागीदारों को अवगत किया।

श्री रमेष प्रभु, मुख्य हिन्दी अनुवादक, एचपीसीएल ने "यूनीकोड के ज़रिए राजभाषा हिन्दी का विकास" पर तृतीय सत्र चलाया। उन्होंने कंप्यूटर पर यूनीकोड की स्थापना और उसके उपयोग पर संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने राजभाषा हिन्दी से संबंधित मुख्य साइटों, सेर्च इंजिनों, गूगल ट्रान्सलेशन आदि जैसे कार्यों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बडी रोचक ढंग से कक्षा चलायी। भागीदारों की प्रतिक्रिया में श्री नरेशकुमार, ऑरियन्टल इन्शुरेन्स, श्रीमती जानकी, आईआरई, श्रीमती जूली, सीएसएल, श्री कृष्णनकुट्टी, एचपीसीएल, श्री मानस रंजन त्रिपाठी, कोचिन पोर्ट ट्रस्ट, श्री श्रीजेष, सीपेट आदि ने अपना मत व्यक्त किया। भागीदारों की सक्रिय सहभागिता से संगोष्ठी बहुत ही सफल रही।

श्री एम डी वर्गीस, महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन) और श्री बाबु टी आई, उप महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध) आदि की उपस्थिति में संगोष्ठी का समापन सत्र चलाया। श्री बाबु टी.आई, उप महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध) ने इस अवसर पर अपने वक्तव्य से सभी को अभिप्रेरित किया। श्रीमती सरिता जी, हिन्दी अनुवादक ने धन्यवाद ज्ञापन किया। संकायों को इस अवसर पर कोचीन शिपयार्ड की ओर से उपहार से भी सम्मानित किया गया। अंत में, सभी अधिकारी व कर्मचारियों ने एक साथ राष्ट्रगीत गाकर संगोष्ठी को सफल रूप से समाप्त किया।

●

राजभाषा संगोष्ठी - विविध झलकियाँ

राजभाषा संगोष्ठी
OFFICIAL LANGUAGE SEMINAR

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LTD.

हिन्दी दिवस समारोह

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के भाग के रूप में कोचीन शिपयार्ड में दिनांक 14 सितंबर 2015 को बडे उत्साह से हिंदी दिवस मनाया गया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के कार्यालय में आयोजित समारोह में निदेशक (तकनीकी), निदेशक (वित्त), अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के विशेष कार्याधिकारी, मुख्य महा प्रबंधक (डिज़ाइन व रक्षा परियोजना), महा प्रबंधक (मानव संसाधन) आदि वरिष्ठ अधिकारियां उपस्थित थे। इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने वहाँ उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों से अपील की कि अधिकाधिक सरकारी कामकाज हिंदी में करें तथा अपने अधीन कार्यरत कर्मचारियों को भी हिंदी में काम करने केलिए प्रोत्साहित करें और इसके द्वारा देश के संविधान एवं राजभाषा के प्रति अपना उत्तरदायित्व निभाएं। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने बताया कि हमारे संविधान ने 14 सितंबर 1949 को सर्वसम्मति से देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया था और तब से ही 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। कंपनी की गृह पत्रिका 'सागर रत्न' के सातवां अंक का विमोचन भी इस अवसर पर किया।

श्रद्धान्जलि

इस शाम को मैं पेश करता ऐसा व्यक्ति नाम!
भारत के पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम!!
भुलेगे कभी नहीं इस वैज्ञानिक का काम!
बनाया इस देश के युक्तों में नया जोश और दम!!
विद्या देती नई कल्पना, नई कल्पना से लाती नई विचार!
नई विचार से मिले ज्ञान, ज्ञान बनाए आपको महान!!
पूर्व राष्ट्रपति जी कहा "इतना"!
पर कर के दिखाया देश को "कितना"!!
भारत के दक्षिण कोने समुद्री टापू रामेश्वरम में जन्म
मिला इस देश को एक वैज्ञानिक कर्मचारी अति उत्तम!!
वैज्ञानिक तकनीकी से मिला देश को "अग्नि" जैसे बंब !
हम हर देशवासियों में जले रहेंगे इन प्रेरणा संदेश स्वयं!!
ये तो क्या, आम आदमी देखा नींद में सपना अपना!
कलाम जी कहते है सपना वहीं जो देता नहीं नींद अपना!!
मन में देखा भारत 2020 देश अपना!
वो भावना उन का मन का भारत 2020 रहे न विदूर!
शान नहीं हम हर भारतीय छोडना इसे अदूर!!
यहीं होगा हमारी श्रद्धान्जलि कलाम जी की ओर!!
जय हिन्द!!

एस. रामलिंगम
चार्जमैन

हिन्दी पखवाडा समारोह, 2015

राजभाषा के प्रति लोगों की रुचि बढाने और उसके महत्व के प्रति उसे जागृत करने के उद्देश्य में कोचीन शिपयार्ड में दि. 14 से 28 सितंबर, 2015 तक हिन्दी पखवाडा समारोह बडी उमंग से मनाया गया। इस सिलसिले में हिन्दी में श्रुतलेख, अनुवाद, टिप्पण और आलेखन, हिन्दी/अंग्रेज़ी समान शब्द लेखन (आज का शब्द), पत्र लेखन, गद्यांश वाचन, ललित गान, स्मृति परीक्षा आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में कंपनी अधिकारियों व कर्मचारियों ने बडी उत्साह से भाग लिया। तकनीकी कर्मचारियों ने भी इन प्रतियोगिताओं में उत्सुकता से भाग लिया।

हिन्दी में वाद विवाद प्रतियोगिता

हिन्दी पखवाडा समारोह के सिलसिले में विशेष कार्यक्रम के रूप में एर्णाकुलम में कोच्ची कॉर्परेशन के अधीन आनेवाले स्कूलों के उच्च माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों केलिए दिनांक 14 अक्तूबर, 2015 को हिन्दी में एक वादविवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। उक्त प्रतियोगिता में जीएचएसएस, पनंपिल्ली नगर, केन्द्रीय विद्यालय नं. 2, भवन्स विद्या मंदिर, एलमक्करा, केन्द्रीय विद्यालय, एर्णाकुलम, राजगिरि पब्लिक स्कूल, केन्द्रीय विद्यालय द्रोणाचार्या, फोर्ट कोच्ची, नेवी चिल्ड्रन स्कूल आदि स्कूल के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर कार्यक्रम को अधिक सफल बनाया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार क्रमशः केन्द्रीय विद्यालय नं. 2, नेवलबेस, कोच्ची और केन्द्रीय विद्यालय द्रोणाचार्या, फोर्ट कोच्ची को प्राप्त हुआ। प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः 10000/-, 7000/- और 4000/- रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। साथ ही, पुरस्कार न प्राप्त सभी छात्रों को 500 रु. के सांत्वना पुरस्कार के साथ मेमेन्टो के रूप में पेन सेट भी दिया गया। सभी छात्रों को प्रमाणपत्र दिया गया।

हिन्दी पखवाडा समारोह, 2015 के समापन समारोह कोचीन शिपयार्ड के माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमोडोर के सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में दि. 17 अक्तूबर, 2015 को प्रशिक्षण संस्थान के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। श्री डी पॉल रंजन, निदेशक (वित्त), श्री सण्णि तोमस, निदेशक (तकनीकी व प्रचालन) और श्री एम डी वर्गीस, महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन) मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत मानव संसाधन विभाग के कार्यपालक प्रशिक्षार्थी कुमारी सुमी एस के ईश्वर वंदना से हुई। बाद में श्री गिरिजा टी पी, प्रबंधक (राजभाषा) ने हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी द्वारा दिए संदेश सभा में उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों केलिए पेश किया।

बाद में, माननीय अध्यक्ष कमोडोर के सुब्रमण्यम ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उन्होंने केरल के बाहर जाने पर हिन्दी भाषा बोलने के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने सभा में उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से हिन्दी में काम करके हिन्दी पत्राचार को बढाने केलिए सलाह दिया हिन्दी में बोलने केलिए कोशिश करने हेतु प्रेरित भी किया। हिन्दी कार्यान्वयन की प्रगति हेतु उठाए जानेवाले सभी प्रयासों केलिए उन्होंने शुभकामना भी दिया। आगे ललित गान में प्रथम प्राप्त श्री रनीष ने अपनी मीठी आवाज़ से एक सुंदर गीत सभी केलिए पेश किया।

इस समारोह में श्री शंकर दयाल सिंह स्मृति पुरस्कार प्राप्त श्रीमती श्रीजा एस तथा शेष सभी विजेताओं को अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक द्वारा नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र वितरित किया गया। इसके साथ-साथ विजेता छात्रों को अध्यक्ष महोदय ने नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र वितरित किया। प्रतियोगिताओं में पुरस्कार न प्राप्त सभी भागीदारों को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया। अंत में, सभी अधिकारी व कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर राष्ट्रगीत गाकर कार्यक्रम को सफल रीति से संपन्न किया। ●

हिन्दी में वाद विवाद प्रतियोगिता- विविध दृश्य

हिन्दी पखवाडे के सिलसिले में आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के परिणाम

क्रं.सं	मद	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
1	श्रुतलेख	अनीष टी के	कीर्ति आर	एस पद्मकुमारी अम्मा
2	अनुवाद एवं प्रशासनिक शब्दावली	सुमी एस	जी के जयप्रकाश	अरुण आर
3	टिप्पण व आलेखन	सुमी एस	कीर्ति आर	गीता के एन
4	हिंदी-अंग्रेज़ी समानशब्द (आज का शब्द)	सुमी एस	एस पद्मकुमारी अम्मा	विवेक विजयन
5	पत्र लेखन	सुमी एस	अनीष टी के	अनूप बी कुमार
6	गद्यांश वाचन	जी के जयप्रकाश	दीप्ति पी	अरुण आर
7	निबंध लेखन	अरुण आर	गीता के एन	कीर्ति आर
8	ललित गान	रनीष वी एम	जीवन रवीन्द्रन	सुदीप एस नडयक्कनाल
9	स्मृति परीक्षा	दीप्ति पी	जी के जयप्रकाश गीता के एन	संगीता संतोष के एस विवेक विजयन
10	प्रश्नोत्तरी	अरुण वी जीवन रवींद्रन	मुकेश शंकर एम एस जिजो जोसफ	राजेन्द्र कुमार वी एन अनूप बी कुमार

वर्ष 2014-15 के दौरान हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु स्वर्गीय श्री शंकर दयाल सिंह स्मृति पुरस्कार अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से प्राप्त करते हुए श्रीमती श्रीजा एस, कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक

चालू वर्ष के दौरान नकद प्रोत्साहन योजना में भाग लिए अधिकारी व कर्मचारी

क्र.सं	नाम और कोड सं.	पदनाम	राशि
1	श्रीमती अंबिका कुमारी ए, 1852	सहायक निजी सचिव	1600/-
2	श्रीमती ओमना टी आर, 2259	उप अधीक्षक	310/-
3	श्रीमती आनी टी एल, 3145	वरिष्ठ सहायक	1300/-
4	श्रीमती एमिल्डा डी सिल्वा, 3600	सहायक	1870/-
5	श्रीमती गीता के एन, 3680	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक	4870/-
6	श्रीमती विनिता के जी, 3735	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक	1500/-
7	कैप्टन आर एस सुंदर, 3746	निदेशक (प्रचालन)	1000/-
8	श्री रिंजो पॉल, 3775	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक	2060/-
9	श्रीमती श्रीजा एस, 3776	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक	2610/-
10	श्रीमती आशा टी एन, 3779	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक	750/-
11	श्रीमती संगीता संतोष के एस, 3949	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक	200/-
12	श्री टिल्सन तोमस, 3984	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक	1500/-
13	श्रीमती दिव्या के वी, 4200	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक	310/-

कर्मचारियों के बच्चों केलिए नकद पुरस्कार

राजभाषा हिन्दी को बढाने के उद्देश्य में चालू वर्ष के दौरान, कर्मचारियों के बच्चों जिन्होंने दसवीं कक्षा में हिन्दी में उच्च अंक प्राप्त किया है, को नकद पुरस्कार योजना आरंभ की गई है। तदनुसार, इस वर्ष निम्न सूचित छह बच्चों ने नकद पुरस्कार जीत लिया जो हिन्दी पखवाडा के समापन समारोह के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा प्रदान किया गया।

क्र.सं.	*छात्र का नाम*	*पिता का नाम*	*प्राप्त अंक/ग्रेड*	*राशि*
1	*मुहम्मद अजास पी जे*	*जमाल पी.ए, 4364*	*A+*	*3000/-*
2	*वैशाख गोपी*	*गोपी के वी, 3182*	*A+*	*3000/-*
3	*रोहित प्रकाश*	*प्रकाशन पी वी, 3029*	*A+*	*3000/-*
4	*द्राविड दास टी एच*	*पी.एस. हरिदासन, 3272*	*A+*	*3000/-*
5	*सिबिन बेबी*	*बेबी एम टी, 4350*	*A+*	*3000/-*
6	*यदु जे आनंद*	*जयानंदन के जी, 3057*	*A+*	*3000/-*

सचिव (राजभाषा), गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राजभाषा निरीक्षण

श्री संजय कुमार श्रीवास्तव आईएएस, सचिव (राजभाषा), गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 06 अगस्त, 2015 को कोचीन शिपयार्ड की राजभाषा गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने राजभाषा के संवर्धन केलिए हमारे द्वारा उठाए गये सभी प्रयासों केलिए सराहना की। उन्होंने राजभाषा गृह पत्रिका "सागर रत्न" के बारे में भी तारीफ किया। कोच्ची टॉलिक से राजभाषा के उत्तम निष्पादन केलिए पुरस्कार प्राप्त करने हेतु उन्होंने बधाइयां दी। साथ ही उन्होंने कोचीन शिपयार्ड का भी दौरा किया। उन्होंने बताया कि सीएसएल ने देशी वायुयान वाहक का निर्माण और इस केलिए लिफ्ट तैयार करने का कार्य बडी कुशलता से किया है। उन्होंने हमारे आगे के सभी प्रयासों केलिए शुभकामनाएं भी दी।

•

क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन, कोच्ची

दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन दिनांक 19 फरवरी 2016 को दि इंटरनेशनल होटल, कोच्ची में किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के सचिव गिरीश शंकर थे। सम्मेलन में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में उत्तम प्रगति हासिल करनेवाले उपर्युक्त क्षेत्रों के कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को पुरस्कृत किया गया। विविध कार्यालयों के गणमान्य व्यक्तियों ने अपना-अपना विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची और उसके अधीन आनेवाले सभी कार्यालयों ने एक साथ मिलकर कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

•

हिन्दी कार्यशाला

कोचीन शिपयार्ड में हर तिमाही में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जुलाई - सितंबर, 2016 की कार्यशाला दिनांक 10 सितंबर 2015 को आयोजित की गई। यह कार्यशाला कंपनी में नए नियुक्त कार्यपालक प्रशिक्षार्थियों को सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की आवश्यकता पर अवगत

कराने के उद्देश्य में चलायी गयी। श्रीमती शीला एम. सी, सहायक निदेशक (राजभाषा), बीएसएनएल भवन, कोच्ची और सदस्य, कोच्ची टॉलिक ने कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने राजभाषा नियम, राजभाषा अधिनियम और राजभाषा के संवैधानिक महत्व के बारे में भागीदारों को अवगत कराया। सरकारी कार्यालयों में राजभाषा नीति के अनुसार सूचना पट्ट, नाम पट्ट आदि में किन किन भाषाओं का प्रयोग करना चाहिए और भाषा का किस क्रम में होना चाहिए के बारे में कक्षा में बताया। उन्होंने बताया कि एक सरकारी कर्मचारी होने के नाते भारत सरकार की राजभाषा नीति और इस संबंधी मार्गनिर्देशों का पालन करना हमारा कर्तव्य है तथा हमें उसके लिए वचनबद्ध होना भी चाहिए। गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए जानेवाले वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों की पूर्ति केलिए भागीदारों द्वारा अपने अपने योगदान प्रदान करने हेतु उन्होंने अनुरोध किया। हिंदी में कार्य करने केलिए सहायता देने हेतु सभी भागीदारों को केन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद द्वारा प्रकाशित कार्यालय सहायिका प्रदान किया।

अक्तूबर-दिसंबर तिमाही की हिंदी कार्यशाला दिनांक 05.12.2015 को आयोजित की गई। श्री ओ रमेष, उप प्रबंधक (राजभाषा), एचओसीएल कार्यशाला के संकाय थे। उन्होंने बहुत ही सरल ढंग से हिन्दी कार्यशाला के महत्व की जानकारी कर्मचारियों को प्रदान की। साथ ही, राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आनेवाले विविध कागज़ात, राजभाषा नियम, संसदीय राजभाषा समिति आदि के बारे में भी उन्होंने अवगत कराया। भागीदारों के अपने-अपने कार्यों में प्रयोग किए जानेवाले विविध वाक्यांशों को भी उन्होंने अनूदित करके बता दिया, जो भागीदारों को बहुत ही उपयोगी रहा।

वर्ष 2015-16 की चौथी तिमाही की राजभाषा कार्यशाला दिनांक 21 मार्च 2016 को आयोजित की गई। श्री देवराज पणिक्कर, प्रबंधक (हिंदी)-सेवानिवृत्त, भारतीय खाद्य निगम कोच्ची ने कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने एक केन्द्र सरकारी कार्यालय में राजभाषा हिन्दी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन केलिए गैर-हिन्दी कर्मचारियों की भूमिका के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने राजभाषा नियम, अधिनियम आदि के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। आगे, उन्होंने राजभाषा से जुडी विविध संसदीय समितियाँ, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, विविध नकद पुरस्कार योजना, वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य आदि विषयों पर भी प्रकाश

डाला। कार्यालय में उपलब्ध सभी प्रपत्रों का द्विभाषीकरण, हिन्दी पुस्तकों की खरीदी आदि विषयों पर भी भागीदारों को जानकारी प्रदान की। उन्होंने हिन्दी में झिझक दूर करने केलिए भागीदारों को कार्यालयों में प्रयोग किए जानेवाले नेमी टिप्पणियों को देकर अभ्यास करवाया। कार्यशाला में भाग लिए सभी भागीदारों को हिन्दी व्याकरण संबंधी पुस्तक मेमेन्टो के रूप में दिया गया। तीन अधिकारी और तेरह कर्मचारी ने कार्यशाला में भाग लिया। ●

कोच्ची टॉलिक के संयुक्त हिन्दी पखवाडे के सिलसिले में आयोजित हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सर्वश्री मुकेष शंकर एम एस, प्रबंधक (कार्मिक) और जीवन रवीन्द्रन, उप प्रबंधक (मानव संसाधन) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

बोलचाल की हिन्दी में प्रशिक्षण कार्यक्रम

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार केलिए दिनांक 16 नवंबर 2015 से 20 नवंबर 2015 तक बोलचाल की हिन्दी में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ राधिका देवी, सर्वकार्यभारी अधिकारी, हिन्दी शिक्षण योजना, काक्कनाड, कोच्ची ने कार्यक्रम का संचालन किया। कुल 30 कर्मचारियों ने उक्त कार्यक्रम में भाग लिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भागीदारों को बहुत ही उपयोगी रहा।

गर्मी

रो रही है धरती,
रो रहे है पौधे,
रो रहे है पंछी,
रो रहे है जानवर,
मानव की किया धरा है,
अपनी मंज़िल के लिए
प्रकृति को दिया ये रूप
रो रहे है मानव।

सात समुद्र पार करने वालो ने
काट लिया है पौधा।
बढ़ गई है गर्मी,
रो रही है प्रकृति।
प्रकृति रोने के कारण,
रो रहा है सूरज
क्रोध की इस जलन में
बढ़ गई है गर्मी।।

शरण्या सी शशिधरन
श्रीमती शारिका सी शशिधरन की बहन

उच्च उत्पादकता और सतत विकास केलिए व्यवसाय में सुगमता

जीवन रवीन्द्रन
उप प्रबंधक (मानव संसाधन)

दुनिया, पिछले कुछ दशकों में व्यवसाय और व्यापार के क्षेत्र में विशेष रूप से संचार और यात्रा में प्रौद्योगिकी प्रगति के कारण भारी बदलाव देख गया है। इंटरनेट आधारित सेवाओं की शुरुआत मौलिक रूप से व्यापार करने की तरीके को बदल दिया है जैसे कि "ब्रिक और मोर्टर शॉप" से "ई-कॉमर्स" तक। परिणामस्वरूप, व्यापार के कई बडे व्यक्तियां छोटे और मध्यम व्यापारों में उतर आए और यहां तक कि स्टार्ट अप्स भी इस तरह के प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने में सर्जनात्मक और अनुकूल है।

फिलहाल, हम ने फिल्पकार्ट, आमज़ोन, जबोंग और अन्य सफल उद्यमों के विकास देखा है, जिन्होंने वॉल-मार्ट, कैरेफोर ऑफ हैरोड्स जैसे फुटकर शक्तियों के स्थान घेर लिया है। चीन ने जीवन के अपने तरीके और उन्नत कुशलता से बडे पैमाने पर एक तिहाई लागत में चीज़ों का उत्पादन शुरू कर दिया और पूरी दुनिया में अपने उत्पादों को पाटना शुरू किया और यह भारतीय कंपनियों को भी धमकी दी है।

उपर्युक्त संदर्भ में, हमारे पारंपरिक आर्थिक नीतियों के कारण भारत को मंदी से गुज़रना पडा। इसके फलस्वरूप, हमारी सरकार ने विश्वव्यापी प्रतियोगिता के साथ बने रहने हेतु व्यवसाय में सुगमता केलिए कार्य करने की आवश्यकता का एहसास किया है और देश को अब से दो वर्ष की अवधि में विश्व में व्यापार करने के सबसे अच्छे 50 स्थानों में एक बनाने के हमारे प्रयासों में एक थीम सरकार ने चालू किया है।

हमारी सरकार द्वारा बनाई गई मुख्य रणनीतियाँ ये हैं:

1. **कुशल भारत** - आय को सृजित करने और हमारे युवाओं, सेवानिवृत्त कार्मिकों और गृहिणियों को भी उचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के ज़रिए कुशलता प्राप्त करने में सशक्त करने तथा उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने केलिए है। कुम्हारी बनाने के काम से विविध श्रेणी के विषयों को पहचाना गया। शैक्षिक संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों और आवासीय स्वयं सहायता समूहों जैसे सभी हितधारकों के सहयोग से एलइडी बल्बों आदि के निर्माण शुरू किया।

2. **मेक इन इंडिया -** कुशल भारत के एक अनुबंध है और स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान अनुवर्तित स्वदेशी आंदोलन की अवधारणा के पूर्व प्रभाव अर्थात् विदेशी मदों के प्रयोग के बदले भारतीय मदों और सेवाओं पर और उनके गुणवत्ता सुधार पर भरोसा रखें ताकि आय सृजित कर सकें और सतत विकास प्राप्त कर सकें।

3. **बोझिल प्रक्रियागत औपचारिकताओं और नियमों से दूर रहकर काम करना-** लालफीताशाही और नौकरशाही बाधाओं के अपनी बुरी प्रतिष्ठा से छुटकारा पाने हेतु, सरकार ने उद्यमों की मदद करने केलिए 14 विभागों को एकल खिडकी प्रणाली में समेकित किया है।

4. **एसएमई और एमएसएमई की शक्ति उन्मुक्त करना** - हमारे देश में एक बडी संख्या में मध्यम एवं लघु स्तर के उद्यम हैं, जो इस नीति से लाभान्वित हो जाएगा और प्रशिक्षण सहायता और विपणन केलिए स्थापित चैनलों के ज़रिए उनकी क्षमता को उन्मुक्त करने हेतु कदम उठाया जा रहा है।

5. **ज़रूरतमंदों केलिए ऋण आबंटन-** सरकार ने जरूरतमंदों और "मेक इन इंडिया" योजना के अधीन पात्र व्यक्तियों केलिए ऋण आबंटन प्रदान करने केलिए बैंकों को निदेश दिया है।

6. **निर्यात और विदेशी व्यापार संबंधी प्रतिबंधों से दूर रहकर काम करना** -इस पर भी बल दिया जाता है ताकि

"राष्ट्रीय हित" की ओर व्यक्तिगत आवश्यकता के रूप में व्यापार लेनेदेन को देखने की एक मनोभाव संभव हों।

7. **तकनीकी समर्थन और अनुसंधान सहायता प्रदान करना** - ज़रूरतमंदों को तकनीकी समर्थन और अनुसंधान सहायता प्रदान करना व्यापार के संबंधित क्षेत्रों में एक और सकारात्मक कदम है जो यह सुनिश्चित करेगा कि उद्यमियों अपने रास्ते में आनेवाले बाधाओं से बच जाऐगे ।

8. **असंगठित क्षेत्रों को शामिल करना** - सडक विक्रेताओं और गाडी विक्रेताओं जैसे असंगठित क्षेत्रों को शामिल करने केलिए योजनाएं बनाई गई हैं ताकि न्यूनतम संसाधन के उद्यमियां भी सभ्य आजीविका बनाए रखें और क्रेडिट सिस्टम पर कम निर्भरता के साथ व्यापार कर सकें।

9. **स्टार्टप्स** - 3 वर्ष के लॉक इन पीरिड जहाँ कोई आकस्मिक जांच (उन घोर उल्लंघन को छोडकर) नहीं होगी और कोई विवरण सूचित करने की आवश्यकता नहीं है, जैसे घोषित वित्तीय लाभ, व्यापार इन्क्युबेटर पार्क्स जो सभी भौतिक और संरचनात्मक सहायता प्रदान करता है, द्वारा सृजित स्टार्टप व्यापारों को बढावा देगा।

उपर्युक्त कार्यों के साथ, यह व्यापार कार्यों और प्रक्रियाओं को सुगम, प्रायोगिक और तेज़ बनाने की ओर पारंपरिक ज्ञान और तकनीकी उन्नति को मिलाकर बडे पैमाने पर भारत सरकार, गैर सरकारी संगठनों और व्यापार समुदाय का एक प्रयास है ताकि आनेवाले वर्षों में व्यवसाय करने में सुगमता, सम्मानजनक और आशाजनक होगा। इसके ज़रिए परोक्ष रूप से राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे।

●

गणतंत्र दिवस समारोह - सीएसएल के कर्मचारियों को उत्कृष्टता पुरस्कार

कोचीन शिपयार्ड में दिनांक 26 जनवरी 2016 को गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। सीआईएसएफ दल और समुद्री इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान के कैडटों ने संयुक्त रूप से परेड आयोजित किया। श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने राष्ट्रीय झंडा फहराया और परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने सीएसएल के 13 कर्मचारियों को कार्य-निष्पदान और नवप्रवर्तन में उत्कृष्टता केलिए "अध्यक्षीय प्रशस्ति पत्र" दे दिया।

श्री मधु एस नायर ने अपने भाषण में सीएसएल परिवार को आह्वान दिया कि इस चुनौतीपूर्ण समय से उभर आएं और अपने ओज को साबित करने केलिए देश की मदद करें। उन्होंने बताया कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में, भारत को बडी संभावना है, जो लगातार वृद्धि के अपने रिकार्ड दिया है । उन्होंने कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया कि "मेक इन इंडिया" लक्ष्यों को पूरा करने केलिए काम करें। सीआईएसएफ द्वारा प्रदर्शित रिफ्लेक्स शूटिंग और वन मिनट ड्रिल' जनसमूह द्वारा अच्छी तरह से सराहना की थी। श्री पॉल रंजन, निदेशक (वित्त) श्री सण्णि तॉमस, निदेशक (प्रचालन), श्री ओ पी चौधरी, सहायक कमान्डेंड, सीआईएसएफ, सीएसएल और सीआईएसएफ के पदाधिकारियाँ और कर्मचारियां इस अवसर पर उपस्थित थे।

●

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2015

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में दिनांक 26 अक्तूबर 2015 से 31 अक्तूबर 2015 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2015 मनाया गया। इस वर्ष की विषय-वस्तु "सुशासन के प्रभावी उपाय के रूप में निवारक सतर्कता" है। दिनांक 26 अक्तूबर 2015 को सभी विभागाध्यक्षों द्वारा अपने-अपने विभागों में

कर्मचारियों को प्रतिज्ञा दिलाया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा मुख्य कार्यालय ब्लॉक में चार कार्यरत कर्मचारियों केलिए प्रतिज्ञा दिलाया। इस अवसर पर बैनरों को भी प्रदर्शित किया गया। सप्ताह के दौरान भ्रष्टाचार नियंत्रण में निवारक सतर्कता की क्षमता पर बल देने से संबंधित केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निदेशों को ध्यान में रखते हुए, सीएसएल के अधिकारियों केलिए एक सतर्कता कार्यशाला दिनांक 26 अक्तूबर 2015 को आयोजित की गई। कुल 60 अधिकारियों ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस सिलसिले में, भारतीय विद्या भवन, गिरिनगर, एर्णाकुलम के उच्च विद्यालय के छात्रों केलिए "निवारक भ्रष्टाचार में युवाओं की भूमिका" विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 46 छात्रों ने भाग लिया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को क्रमशः 2000/- रु., 1000/- रु., और 500/- रु का नकद पुरस्कार वितरित किए गए।

केरल के एफएसीटी, एसबीटी, बीपीसीएल, एचपीसीएल और एफआईसीटी के साथ मिलकर एर्णाकुलम जिले के कॉलेज छात्रों केलिए एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई और प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को क्रमशः

10,000/- रु., 5,000/- रु. और 3,000/- रु का नकद पुरस्कार वितरित किए गए। निवारक सतर्कता को बढाने केलिए सप्ताह के दौरान, पोत निर्माण और पोत मरम्मत प्रभाग आपूर्तिकारों और उप ठेकेदारों केलिए दो संवादात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम, भागीदारों को अपनी कठिनाइयों को प्रकट करने में स्वतंत्र महसूस करने केलिए वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किए गए। सप्ताह के दौरान, पर्दाफाश संकल्प के महत्व पर प्रकाश डालनेवाले एक पैम्फलेट कर्मचारियों, आपूर्तिकारों और उप ठेकेदारों के बीच वितरित किया गया।

निदेशक (तकनीकी) की अध्यक्षता में दिनांक 31 अक्तूबर 2015 को आयोजित समापन समारोह में श्री पी के विजयकुमार आईआरएस, सेवानिवृत्त, पूर्व आयकर महा निदेशक (अन्वेषण), केरल, बीमा (लोकपाल) मुख्यतिथि थे। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2015 संबंधी माननीय राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, भारत के मुख्य न्यायाधीश और मुख्य सतर्कता अधिकारी के संदेशों को इस अवसर पर सुनाया गया। इस प्रकार सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2015 सार्थक और उद्देश्यपूर्ण रूप से आयोजित किया गया।

एक व्हाट्स अप कहानी

पी.एन. संपत कुमार
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का सहायक महा प्रबंधक

यह कहानी मुझे आजकल के सामूहिक माध्यम व्हाट्स अप से प्राप्त हुई, जिस के कहानीकार अनजान है।

ये कहानी हर मध्यम व छोटे वर्ग किसान की है।

कहते है...इन्सान सपना देखता है तो वो ज़रूर पूरा होता है।

मगर किसान के सपने कभी पूरे नहीं होते। बडे अरमान और कडी मेहनत से फसल तैयार करता है और जब तैयार हुई फसल को बेचने मंडी जाता है।

बडे खुश होते हुए जाता है। बच्चों से कहता है आज तुम्हारे लिये नये कपड़े लाऊंगा फल और मिठाई भी लाऊंगा,

पत्नी से कहता है....तुम्हारी साडी भी कितनी पुरानी हो गई है फटने भी लगी है आज एक साडी नई लेता आऊंगा।

पत्नीः-"अरे नही जी..!"..... "ये तो अभी ठीक है..!"

"आप तो अपने लिये जूते ही लेते आना कितने पुराने हो गये हैं और फट भी तो गये हैं..!

जब किसान मंडी पहूँचता है.....ये उसकी मजबूरी है वो अपने माल की कीमत खुद नहीं लगा पाता।

व्यापारी उसके माल की कीमत अपने हिसाब से तय करते हैं।

एक साबुन की टिकिया पर भी उसकी कीमत लिखी होती है।

एक माचिस की डिब्बी पर भी उसकी कीमत लिखी होती है।

लेकिन किसान अपने माल की कीमत खुद नहीं कर पाता।

खैर... माल बिक जाता है, लेकिन कीमत उसकी सोच अनुरूप नहीं मिल पाती। माल तौलाई के बाद जब पेमेन्ट मिलता है।

वो सोचता है.. इसमें से दवाई वाले को देना है, खाद वाले को देना है, मज़दूर को देना है, अरे हाँ, बिजली का बिल भी तो जमा करना है। सारा हिसाब लगाने के बाद कुछ बचता है नही। वो मायूस होकर घर लौट आता है....

बच्चे उसे बाहर ही इन्तज़ार करते हुए मिल जाते हैं।

"पिताजी...! पिताजी...!" कहते हुये उससे लिपट जाते है और पूछते हैं... "हमारे नये कपडे नहीं लाये...?"

पिता- "वो क्या है बेटा..., कि बाजार में अच्छे कपडे मिले ही नहीं, दुकानदार कह रहा था इस बार दिवाली पर अच्छा कपडे आयेगे तब ले लेंगे...!"

पत्नी समझ जाती है, फसल कम भाव में बिकी है, वो बच्चों को समझा कर बाहर भेज देती है

पति "अरे हाँ..!" "तुम्हारी साडी भी नही ला पाया...!"

पत्नीः-"कोई बात नहीं जी, हम बाद में ले लेंगे लेकिन आप अपने जूते तो ले आते..!"

पतिः- "अरे वो तो मैं भूल ही गया ...!"

पत्नी भी पति के साथ सालों से है पति का मायूस चेहरा और बात करने के तरीके से ही उसकी परेशानी समझ जाती है लेकिन फिर भी पति को दिलासा देती है।

और अपनी नम आँखों को साडी के पल्लू से छिपाती रसोई की ओर चली जाती है। फिर अगले दिन सुबह पूरा परिवार एक नयी उम्मीद, एक नई आशा एक नये सपने के साथ नई फसल की तैयारी के लिये जुट जाता है।

ये कहानी हर छोटे और मध्यम किसान की जिन्दगी में हर साल दोहराई जाती है। हम ये नहीं कहते कि हर बार फसल के सही दाम नहीं मिलते, लेकिन जब भी कभी दाम बढें, मीडिया वाले कैमरा ले के मंडी पहुच जाते हैं और खबर को दिन में दस दस बार दिखाते हैं।

कैमरे के सामने शहरी महिलायें हाथ में बास्केट ले कर अपना मेकअप ठीक करती मुस्कुराती हुई कहती हैं...

सब्जी के दाम बहुत बढ़ गये हैं हमारी रसोई का बजट ही बिगड गया। कभी अपने बास्केट को कोने में रख कर किसी खेत में जा कर किसान की हालत तो देखिये। वो किस तरह फसल को पानी देता है।

15 लीटर दवाई से भरी हुई टंकी पीठ पर लाद कर छिड़काव करता है, 20 किलो खाद की तगडी उठा कर खेतों में घूम-घूम कर फसल को खाद देता है। अघोषित बिजली कटौती के चलते रात-रात भर बिजली चालू होने के इन्तज़ार में जागता है। चिलचिलाती धूप में सिर का पसीना पैर तक बहाता है।

जहरीले जन्तुओं का डर होते भी खेतों में नंगे पैर घूमता है।

जिस दिन ये वास्तविकता आप अपनी आँखों से देख लेंगे, उस दिन आपके किचन में रखी हुई सब्जी, प्याज, गेहूँ, चावल, दाल, फल, मसाले, दूध सब सस्ते लगने लगेंगे।

उत्पादकता माह समारोह - 2016

कोचीन शिपयार्ड में हर साल के जैसे इस साल में भी दिनांक 12 फरवरी को उत्पादकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस वर्ष का विषय है " उच्च उत्पादकता और सतत विकास

केलिए व्यवसाय में सुगमता"। उत्पादकता माह समारेह के भाग के रूप में, वही का जागरूकता सृजित करने हेतु सीएसएल में उच्च उत्पादकता, पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों का इष्टतम उपयोग में परिणत होनेवाले विविध घटनाएं आयोजित की गई। उत्पादकता विषय के संदेश को प्रसारित करने के लिए दि 12.02.2016 8.30 बजे को सभी कर्मचारियों ने मिलकर प्रतिज्ञा लिया। इस सिलसिले में, उक्त विषय पर निबंध लेखन, नारा, आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

दि. 01 मार्च 2016 को आयोजित समापन समारोह में श्री एम जी राजमाणिक्यम, आई ए एस, जिलाधीश, एर्णाकुलम मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर उत्पादकता उत्कृष्ट पुरस्कार, विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार आदि वितरित किया गया।

लघु अवधि स्थायी ठेके कर्मचारी योजना केलिए योजना के अधीन अध्यक्षीय प्रशस्ति पत्र (उत्पादकता सुधार संबंधी)

पापा और बेटी

अनूप बी के
स्टोरकीपर

एक छोटी बच्ची अपने पिता के साथ जा रही थी... एक पुल पर तेज़ी से पानी बह रहा था, यह देख पिता ने कहा...."बेटा डरो मत, मेरा हाथ पकड़ लो। बच्ची बोली..."नहीं पापा आप मेरा हाथ पकड़ लो"। तब हंसते हुए पिता ने पूछा...."दोनों में क्या अंतर है बेटा ?"

तब बच्ची बोली....पापा अगर मैं आपके हाथ पकड़ लूँ और अचानक कुछ हो जाए तो शायद मैं आपका हाथ छोड़ दूँ, लेकिन अगर आप मेरा हाथ पकडेंगे तो मैं जानती हूँ कि चाहे कुछ भी हो जाए आप मेरा हाथ कभी नहीं छोडेंगे।

यह सुनकर पापा की आखों से आनन्दाश्रु आ गया। मेरी बेटी...

अनुकरणीय निष्पादन केलिए अध्यक्षीय विशेष पुरस्कार

श्री बाबु टी आई, कोड सं. 2381
उप महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध)

देशी वायुयान वाहक में शाफ्टिंग की स्थापना

प्रथम देशी वायुयान वाहक (आईएसी) में शाफ्टिंग की स्थापना और इसके संरक्षण कार्य, इसके सरासर विशाल आकार के कारण चूनौतिपूर्ण थे। टेल शाफ्ट का वज़न लगभग 94 टन है। इस चूनौती पर काबू पाने केलिए, हमारे इजीनियर और वरिष्ठ तकनीशियों ने एक ट्रोली को डिज़ाइन करके बनाया है। हम शाफ्टिंग और इसके संरक्षण कार्यों केलिए उपयुक्त होने हेतु अनन्य रूप से निर्मित, डिज़ाइन किए ट्रोली के ज़रिए सभी स्थापना कार्य किया हैं। 94 टन के टेल शाफ्ट के साथ इस ट्रोली के चलन, न्यूमैटिक मोटर और विशेष लॉड केरियिंग रोलेर्स के प्रयोग करते हुए किया गया। इस ट्रोली के प्रयोग करते हुए शाफ्ट की स्थापना और संरक्षण एक अभिनव संकल्पना है, जो भारतीय नौसेना और इटली के परामर्शदाताओं द्वारा सराहना की गई है। इन-हाउस प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए देशी वायुयान वाहक में शाफ्टिंग के अभिनव पद्धति सीएसएल को दुनिया के नक्शे में स्थान दिया है।

यू.एन. मिशन

अरुण. आर
स्टोरकीपर

मैं चंढ़ीगड में था, 24 दिसंबर 2005 रात के दस बज रहे थे, हम सब परिवार वृत्त क्रिसमस करोल मे लुप्त थे, अचानक मेरे दोस्त ने आकर मेरे गले लग कर कहा यार तुम्हारा नाम संयुक्त राष्ट्र प्रतिनियोजन के लिए आया है। यह सुनते ही सभी लोग मुझे बधाई देने लगे और इस बीच मेरी धर्म पत्नी को किसी ने इस यात्रा की सूचना दे दी और बधाई देने लगे। इस बीच खुशी के मारे मेरे पाँव ज़मीन पर टिक नही रहे थे । उस रात मैंने खूब खाया, पिया और नाचा, 06 जनवरी 2006 को मुझे दिल्ली जाना था, इस बीच मेने अपने धर्मपत्नी और बेटे को अपने दोस्त के साथ केरल भेज दिया। मेरे पास समय कम और कार्य ज्यादा था। विभिन्न वायु सैनिक भारत के कोने - कोने से दिल्ली में आ पहुँचे जो इस लक्ष्य को पूरा करना चाहते थे।

इस दौत्य को पूरा करने केलिए हम 160 वायुसैनिक थे जो विभिन्न विभागों जैसे विमान चालक, प्रशासन, तकनीकी इत्यादि से थे। हमे यह कहा गया कि हमारी सैन्य दल मार्च के बीच कभी भी जाने की संभावना है। इस बीच हमारे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण शुरु हो गया। दिल्ली के विभिन्न कार्यालयों में हमें संगोष्ठी में भाग लेना पड़ा जिस में कोगो राज्य के लोग संस्कृति जलवायु संबंधी दूसरे देश के सैनिकों की कठिनाईयों और परिस्थितियों से गुजरे साथ-साथ हमारा चिकित्सा परख होने लगा, हमारा पूरा शरीर का परख कर दिया और विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचने का टीका दिया गया। इससे हमारी शरीर सूईयों से छेदे हो गई। मैं तो कई बीमारियों का नाम पहली बार सुन रहा था। अब हमारा शरीर इस तरह बनाया गया कि दुनियाँ के कोई भी बीमारी एक साल तक हमे छू नही सकते हैं। यह सब होने के बाद हमें एक-एक दल बना कर विभिन्न कार्य

सौंप दिया गया। क्योंकि हमें एक साल ज़रूरतो को पूरा करना था। सुबह से शाम तक हम अपने काम पर लगे थे।

इस तरह दो महीने बीत गया, हम पूरी तरह शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार हो गया। हम अभी भारत के राजनायक है जो भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 19 मार्च को हमारे उच्च अधिकारी ने कहा कि पहली टोली 22 और दूसरा 24 मार्च को दिल्ली से रवाना होगा। मेरा अवसर दूसरी टोली में आया। 24 मार्च रात 10 बजे हम इंदिरागाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा से कानडा के लिए उडना भरी। सुबह 08 बजे हमारे जहाज़ उतरे। यहाँ से हमें ले जाने के लिए हमारे हेलीकोप्टर तैयार खड़े थे। यहाँ से हमारा यात्रा बुकावो क्षेत्र के लिए था जो कोंगो के किवु प्रान्त में बसा है। यहाँ पर हमारा पूर्व टोली अपनी कैंप स्थापित किया गया था। यह कैप एक छोटी पहाड के ऊपर बसी है जो बुकावो हवाई अड्डा से 1 कि.मी दूर बसी है। हमारे हेलिकोप्टर इस हवाई अड्डे से उडान भरती थी। यहाँ के प्रकृति का सौदर्य अति मनोहर है जो भारत के

आसाम राज्य से मिलता था। इसलिए मुझे यह क्षेत्र कोई अदभूत नही लगा। हमारे कार्य सामान्य चलने लगी जिस तरह भारत में होती थी। 2006 में यहाँ चुनाव होना था इस लिए संयुक्त राष्ट्र के नीचे काम करने वाले सभी कर्मचारियाँ इस पर लगे थे। हमारे हेलिकोप्टर चुनाव संबंधित कार्य पर परिनियोजित थे। यहाँ के

विभिन्न विद्रोही टोली को एक साथ लाना और लोकतंत्र को अमल में लाना है। हम स्थानीय लोगों से मिलते थे और उन्हें खाना वस्त्र, शिक्षा, औषध आदि प्रदान करते थे।

यहाँ के लोगों का औसत आयु 47 है क्योंकि 96% लोग एड्स से पीडित है। यहाँ के भूमि से हीरा, सोना, तांबा आदि खनीज उपल्ब्ध है। लेकिन यहाँ के लोग अभी भी भूखे और नंगे है। मेंने देखा कि यहाँ मनुष्य का कोई मूल्य नहीं है।

इस बीच मुझे पिंग्मी से मिलने का अवसर हुआ। यह जनजाति संसार के सबसे छोटे कद और खतरनाक है, वे कभी कभी जंगलों से आते और सामान्य लोगों के बीच मिलते हैं। मुझे इस बार बुरनडी, उगान्डा, नैजीरिया, रवानडा जैसे देशों को देखने का मौका मिला। हमारे साथ साउथ अफ्रिका, चीन, उरुग्वा, पाकिस्तान, नेपाल के सैनिकों से मिलने का अवसर मिला। हम एक दूसरे के शिविर पर विभिन्न गोष्ठी पर जाते थे। हमारे सुरक्षा की जिम्मेदारी पाकिस्तानी सैनिकों को था। साल के मध्य में छुट्टी में आने का मौका मिला। बुकावो में मेरा एक साल पूरा हो गया और 02 अप्रैल 2007 मैं दिल्ली वापस पहूँचा। कुछ दिन हमने दिल्ली में बिताया, इस बीच हमारा मेडिकल हुआ और हम सब अपने कार्य करने का स्वस्थता प्रमाण पत्र मिला। मेरी तैनाती आसाम में हुई और मैं अपने परिवार के साथ आसाम के लिए चल पडा.....

माँ की ममता

घुटनों से रेंगते-रेंगते,
कब पैरों पर खडी हुई,
तेरी ममता की छांव में,
जाने कब बडी हुई।
काला ठीका, दूध, मिठाई
आज भी सब कुछ वैसा ही है।
मैं ही मैं हूँ हर जगह,
प्यार ये तेरा कैसा है?
सीधी-साधी, भोली-भाली
मैं ही तुम्हारी दुलारी हूँ,
कितनी भी हो जाऊँ बडी,
माँ! मैं आज भी तेरी लाडली हूँ।

आतिरा. आर.एस
हिंदी टंकक

स्वतंत्रता दिवस समारोह - 2015

संसदीय समितियों का दौरा

अधीनस्थ विधान संबधी संसदीय समिति

सरकारी आश्वासनों संबधी संसदीय समिति

अनुसूचित जातियों और जनजातियों के कल्याण संबधी संसदीय समिति

मरम्मत केलिए डीसीआई के साथ समझौता ज्ञापन

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने पांच वर्षों की अवधि केलिए सीएसएल में सभी डीसीआई ड्रेजरों और फ्लोटिंग क्राफ्ट्स के आपातकालीन मरम्मत और सूखी गोदी मरम्मत कार्यों को करने केलिए दि. 02 नवंबर 2015 को मै ड्रेजिंग कॉर्परेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डी सी आई) के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया।

सीएसएल की ओर से श्री सुरेष बाबु एन वी, मुख्य महा प्रबंधक (पोत मरम्मत) और डीसीआई की ओर से डॉ जी वी आर मूर्ति, महा प्रबंधक (तक) ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। यह समझौता ज्ञापन एक ही मंत्रालय के अधीन के दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों केलिए पारस्परिक रूप से फायदेमंद है।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह

दिनांक 04 मार्च 2016 को आयोजित शिपयार्ड सुरक्षा दिवस के अवसर पर सभी कर्मचारियों, ठेकेदारों के कामगारों और सीआईएसएफ टीम ने सुरक्षा प्रतिज्ञा लिया। श्री डी पॉल रंजन, निदेशक (वित्त) ने सभा का संबोधन किया। सुरक्षा महीने समारोह के सिलसिले में आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को इस अवसर पर पुरस्कार वितरित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस - समानता केलिए प्रतिज्ञा

मार्च, 2016 के दौरान सीएसएल विप्स सेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस वर्ष की विषय-वस्तु है "समानता केलिए प्रतिज्ञा"। समारोह का उद्घाटन श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने किया। श्रीमती वी कला, अध्यक्षा, सीएसएल विप्स सेल द्वारा स्वागत भाषण दिया।

श्री मधु एस नायर ने अपने भाषण में लक्ष्यों को प्राप्त करने केलिए सीएसएल में महिला कर्मचारियों की भूमिका के बारे में बताया। श्रीमती सौमिनी जैन, नगराध्यक्षा, कोच्ची नगर निगम समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने जीवन के विविध पहलुओं में महिलाओं की उपलब्धियों के बारे में बताया। श्रीमती रेश्मा लखानी, आईआरएस, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त ने मुख्य भाषण दिया। उन्होंने महिलाओं के सशक्तीकरण केलिए प्रारंभिक प्रयास के रूप में शिक्षा और रोज़गार के महत्व पर बल दिया। उनके अनुसार महिलाओं को अपने लिए उपलब्ध विविध विकल्पों की जानकारी होनी चाहिए। श्रीमती रमीता के, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनपीओएल और श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की पत्नी इस समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने कार्यस्थान और घर में जीवन को संतुलित करने केलिए इस वर्ष की विषय-वस्तु के महत्व पर प्रकाश डाला। श्रीमती अंजना के आर, अध्यक्षा, आंतरिक शिकायत समिति और श्रीमती निता के, महिला फोरम अध्यक्षा ने भी सभा को संबोधित किया।

डॉ एल्सी उम्मन, मनोरोग चिकित्सक, मेडिकल ट्रस्ट अस्पताल ने भावनात्मक तनाव प्रबंधन पर सत्र आयोजित किया। श्रीमती टानी टॉमस, जिला समन्वयक कुडुंबश्री, केरल सरकार मिशन ने महिलाओं के सशक्तीकरण और गरीबी उन्मूलन पर दूसरा सत्र का संचालन किया। कुडुंबश्री सदस्यों ने एक उद्यमी के रूप में अपने सफल कहानियों को बताया। इस अवसर पर विप्स सेल, सीएसएल के संवाद पत्र का पहला अंक विमोचित किया। इस समारोह में कोचीन शिपयार्ड के सभी महिला कर्मचारियों ने बडी उत्सुकता से भाग लिया।

संघ की राजभाषा नीति संबंधी प्रमुख बातें

क) हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में 14 सितंबर 1949 को स्वीकार किया गया। इसके बाद संविधान में राजभाषा के संबंध में धारा 343 से 351 तक व्यवस्था की गई।

ख) भारतीय संविधान की धारा 343 (1) के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी।

ग) संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होनेवाले अंको का रुप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रुप होगा।

राजभाषा अधिनियम 1963

इस अधिनियम के अनुसार संसद और राज्यों की विधान सभी की सभी कार्रवाइयों की भाषा हिंदी तथा प्रादेशिक भाषाएं होगी और उनका अंग्रेजी अनुवाद देना होगा।

धारा 3(3) के अनुसार निम्नलिखित दस्तावेजों में अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी का प्रयोग अनिवार्य है- संकल्प, सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचनाएं, प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन, प्रेस विज्ञप्तियाँ, संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत किए जानेवाले सरकारी कागज़ात, संविदा, करार, अनुज्ञप्ति (लाइसेंस), अनुज्ञा- पत्र (परमिट), निविदा सूचनाएँ, निविदा फार्म आदि।

भाषा की दृष्टि से पूरे देश को 'क', 'ख', 'ग' तीन क्षेत्रों में बाँटा गया है।

'क' क्षेत्र- उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली संघ क्षेत्र

'ख ' क्षेत्र - गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, चंडीगढ़ संघ क्षेत्र

'ग ' क्षेत्र - 'क' और 'ख' क्षेत्र में उल्लिखित राज्यों को छोड़कर सभी राज्य

राजभाषा नियम 1976

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर भारत सरकार ने राजभाषा नियम 1976 बनाए।

कुल नियम - 12

महत्वपूर्ण नियम:

नियम - 5

हिंदी में प्राप्त पत्रादि के उत्तर हिंदी में।

नियम - 6

धारा 3(3) के अधीन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि ये दस्तावेज अनिवार्य रुप से हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी हों।

नियम - 11

सभी साइन बोर्ड, नामपट्ट, सूचना पट्ट, रबड़ की मोहरें, परिचय-पत्र, लेखन-सामग्री, पत्र शीर्ष लिफाफों पर उत्कीर्ण लेख हिंदी और अंग्रेजी मे लिखी जाएंगी।

नियम - 12

अनुपालन का उत्तरदायित्व- प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रधान का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह यह सुनिश्चित करे कि अधिनियम और उन नियमों के उपबंधों का समुचित रुप से अनुपालन हो रहा है।

इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त और प्रभावकारी जाँच का उपाय करें। ●

फास्ट पतरोल वेसलों की जलावतरण के विविध दृश्य

आई सी जी एस अतुल्या

आई सी जी एस आयुष

आई सी जी एस आर्यमन

आई सी जी एस आरुष

ओणम समारोह

कोचीन शिपयार्ड कर्मचारी उपभोक्ता सहकारी समिति लिमिटेड सं.ई 750 दि. 04 सितंबर 2015 को कमोडोर कार्तिक सुब्रमण्यम (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड) द्वारा शिलान्यास किया।

कोच्ची निगम केलिए प्रथम दुगुनी अंत रो-रो फेरी का कील लगाना

कोच्ची नगरपालिका निगम केलिए निर्माणाधीन प्रथम दुगुनी अंत रो-रो फेरी का कील दिनांक 19 अक्तूबर 2015 को कोचीन शिपयार्ड में आयोजित एक समारोह में श्री वी आर राजु, सचिव, कोच्ची नगरपालिका निगम द्वारा लगाया। कोच्ची निगम के प्रमुख सदस्यों के साथ साथ कमोडोर के सुब्रमण्यम, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री पॉल रंजन, निदेशक (वित्त), श्री सण्णि टॉमस, निदेशक (तकनीकी) और कोचीन शिपयार्ड तथा कोच्ची निगम के वरिष्ठ अधिकारियाँ इस अवसर पर उपस्थित थे।

पोतों, जो आसान चाल केलिए दो दिगंश थ्रस्टरों और अन्य आधुनिक उपकरणों के साथ सुसज्जित है, शहर में जल परिवहन की समस्याओं केलिए एक बडी राहत प्रदान करने की उम्मीद रखते हैं। प्रथम पोत की संविदात्मक सुपुर्दगी तिथि जून 2016 है और दूसरा पोत इसके बाद के तीन महीने में सुपुर्द करेंगे।

स्वागत

कोचीन शिपयार्ड में जून 2015 से मार्च 2016 के दौरान 16 अधिकारियों और 12 कामगारों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया। कोचीन शिपयार्ड की ओर से आप सभी को हार्दिक स्वागत।

सेवानिवृत्त

जून 2015 से मार्च 2016 की अविधि के दौरान 7 अधिकारियां 29 पर्यवेक्षकों और 71 कर्मचारियां कोचीन शिपयार्ड से सेवानिवृत्त हुए। कोचीन शिपयार्ड की ओर से उन्हें खुश, स्वस्थ, समृद्ध और शांतिपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं।

श्रद्धांजलि

श्री श्रीकण्डन पी., कोड सं. 2956	-	दि. 17 जून 2015
श्री अजयगोष एस., कोड सं. 2512	-	दि. 08 अक्तूबर 2015
श्री गोपालकृष्णन ई., कोड सं. 1711	-	दि. 12 अक्तूबर 2015
श्री राजू पी.के., कोड सं. 3235	-	दि. 08 जनवरी 2016
श्री जोणी पी.डी., कोड सं. 2518	-	दि. 29 मार्च 2016

कोचीन शिपयार्ड से कमोडोर के सुब्रमण्यम, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की विदाई

सीएसएल परिवार कमोडोर के सुब्रमण्यम को और उनके द्वारा सीएसएल को विशेष रूप से राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में प्रदान की गई विशिष्ट सेवाओं को कृतज्ञता के साथ याद करते हैं। उनके समर्पित और ध्यान केन्द्रित नेतृत्व के अधीन सीएसएल अपने इतिहास में शानदार ऊँचाई और कई ललचानेवाला मील का पत्थर हासिल कर सका है।

कमोडोर के सुब्रमण्यम और उनके परिवार को भविष्य केलिए सीएसएल परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ.....

मालविका अनूप
श्री अनूप बी के की सुपुत्री

आरती एम बाबु
श्रीमती आशा टी एन की सुपुत्री

कोचीन शिपयार्ड में सामाजिक निगमित उत्तरदायित्व - झलकियां

कुञ्जिप्पारा विल्लेज, कुट्टमम्पुषा ग्राम पंचायत, एर्णाकुलम में 75 आदिवासी घरों में प्रकाश की व्यवस्था।

स्वामी विवेकानंदा मेडिकल मिशन, अट्टप्पाडी में ऑपरेशन थियेटर तथा माँ और बच्चा वार्ड का निर्माण।

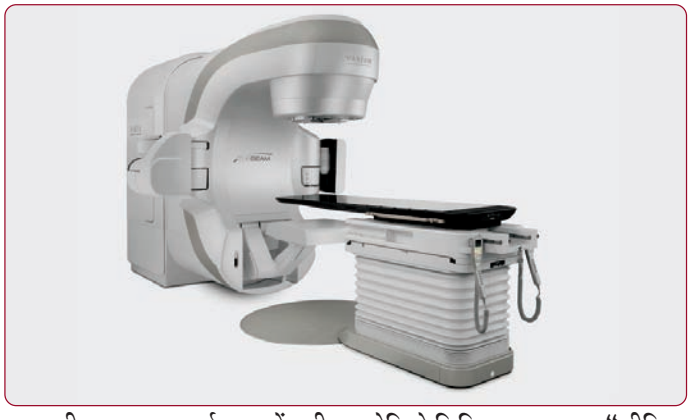

सरकारी अस्पताल, एर्णाकुलम में नवीनतम रेडियो चिकित्सा उपकरण, "लीनियर पार्टिकल ऐक्सेलरेटर" की खरीद और स्थापना केलिए वित्तीय सहायता।

25 अशक्त व्यक्तियों केलिए मोटर चालित त्रीवीलर (एर्णाकुलम जिला पंचायत)

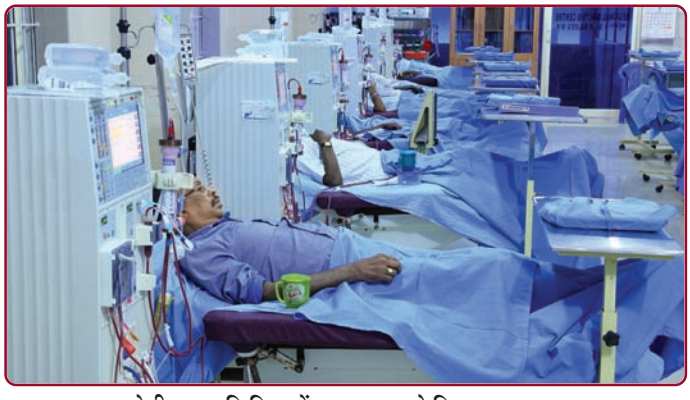

क्षेत्रीय डयालिसिस केंद्र, आलुवा केलिए सहायता।

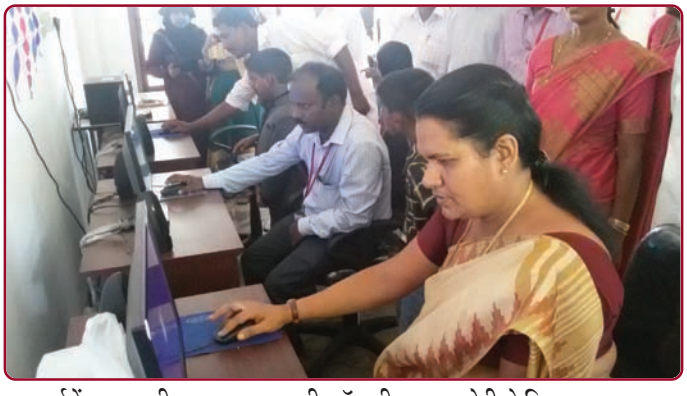

गवर्नमेंट एल पी स्कूल, एचएमटी कॉलनी कलमश्शेरी केलिए कंप्यूटरों को प्रदान करने के लिए सहायता

अरयनकाव में एल पी स्कूल भवन के री - रूफिंग और नवीकरण।

चोट्टानिक्करा ग्राम पंचायत में अम्बाडीमला पेय जल परियोजना।